International Research Journal of Human Resource and Social Sciences
ISSN(O): (2349-4085) ISSN(P): (2394-4218)
Impact Factor 5.414 Volume 5, Issue 4, April 2018
Website-www.aarf.asia,**Email**:editor@aarf.asia, editoraarf@gmail.com

''भोपाल जिले में कक्षा 10 में अध्ययनरत बालक–बालिकाओं के मध्य रुचियों एवं रुचि अनुसार व्यवसाय चुनने की प्रवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन''

अनामिका श्रीवास्तव
सहायक प्राध्यापक
श्री सांई कॉलेज ऑफ एजुकेशन, भोपाल

स्वाति पाठक
सहायक प्राध्यापक
वेदिका कॉलेज ऑफ एजुकेशन, भोपाल

हरगोविन्द शुक्ला
सहायक प्राध्यापक
सी.वी. रमन कॉलेज ऑफ एजुकेशन, होशंगाबाद

प्रस्तुत शोधपत्र में म.प्र. राज्य के भोपाल जिले में स्थित माध्यमिक विद्यालयों की कक्षा दसवीं कक्षा में अध्ययनरत् 20 विद्यार्थियों (10 बालक व 10 बालिकाओं) का यादृच्छिक प्रतिचयन विधि से चयन कर उन पर डॉ. श्रीमती अलका डेविड की 'किशोरावस्था रूचि मापनी' (Adolescent Interest Test) का प्रशासन किया गया। प्राप्त परिणामों के अनुसार बालकों में विज्ञान व खेलों के प्रति रुचि अधिक पाई गयी वहीं लड़कियों में साहित्य, सामाजिक कार्य के प्रति रुचि अधिक पाई गयी। बालक एवं बालिकाओं की फाईन आर्ट (कला) संबंधी रुचियाँ एक समान पायी गयीं।

प्रस्तावना –

स्वामी विवेकानंद ने कहा है ''हमारे जीवन की 90 शक्ति दूसरों को हमारा बनावटी रूप दिखाने में निकल जाती है। यदि हम जो बनना चाहते है, वह बनने का प्रयत्न करें तब उस शक्ति का सही उपयोग होगा।''

आधुनिकता के इस दौर में कई व्यक्ति बहुत सफल हैं, तो कई तमाम डिग्रियों के बावजूद बेरोजगार। इसके पीछे कारणों का अध्ययन किया जाए तो परिणाम मिलता है कि

© Associated Asia Research Foundation (AARF)
A Monthly Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International e-Journal - Included in the International Serial Directories.

यदि व्यक्ति अपनी रुचि अनुसार कार्य करता है तो सफलता का प्रतिशत कहीं अधिक बढ़ जाता है। वहीं रुचि अनुसार कार्य न करने पर असफल होने के ——। ''थ्री इडियट'' फिल्म एक इसका अच्छा उदाहरण है।

कई बार मित्रों के निर्णय या विषय विशेष का सामाजिक आकर्षक इतना अधिक होता है कि किशोर उसके प्रवाह में बहकर अपनी वास्तविक रुचि पहचानने में चूक भी कर जाते है। किशोर अवस्था एक नाजुक अवस्था है जिसमें कई तरह के परिवर्तन आते हैं। उसमें कई तरह के शारीरिक एवं मानसिक बदलाव आते है। यदि इस समय उन्हें अपनी रुचि अनुसार कार्य करने दिया जाए तो निश्चित रूप से सफलता उनके कदम चूमेगी।

वर्तमान समय में बहुत तेजी से परिवर्तन आ रहे हैं। इसका प्रभाव किशारों की रुचियों पर कहां तक पड़ रहा है इसका अध्ययन करने हेतु प्रस्तुत शोध किया जा रहा है।

अध्ययन के उद्देश्य –

1. किशोरों की रुचियों का अध्ययन करना, यह ज्ञात करना कि वर्तमान समय में छात्र–छात्राओं की रुचियों में कोई अन्तर है या नहीं।
2. कितने बालक एवं बालिकाएं अपनी रुचि अनुसार व्यवसाय चुनना चाहते हैं, यह जानने का प्रयास करना।
3. कक्षा 10वीं में अध्ययनरत् बालक एवं बालिकाओं की विज्ञान में रुचि का अध्ययन करना।
4. कक्षा 10वीं में अध्ययनरत् बालक एवं बालिकाओं की फाईन आर्ट (कला) संबंधी रुचियों का अध्ययन करना।
5. कक्षा 10वीं में अध्ययनरत् बालक एवं बालिकाओं की साहित्य संबंधी रुचियों का अध्ययन करना।
6. कक्षा 10वीं में अध्ययनरत् बालक एवं बालिकाओं की खेल संबंधी रुचियों का अध्ययन करना।
7. कक्षा 10वीं में अध्ययनरत् बालक एवं बालिकाओं की सामाजिक कार्यों संबंधी रुचियों का अध्ययन करना।

परिकल्पनाएं –

1. कक्षा 10वीं में अध्ययनरत् बालक एवं बालिकाओं की विज्ञान संबंधी रुचियों में सार्थक अंतर नहीं है।
2. कक्षा 10वीं में अध्ययनरत् बालक एवं बालिकाओं की फाईन आर्ट (कला) संबंधी रुचियों में सार्थक अंतर नहीं है।
3. कक्षा 10वीं में अध्ययनरत् बालक एवं बालिकाओं की साहित्य संबंधी रुचियों में सार्थक अंतर नहीं है।
4. कक्षा 10वीं में अध्ययनरत् बालक एवं बालिकाओं की खेल संबंधी रुचियों में सार्थक अंतर नहीं है।
5. कक्षा 10वीं में अध्ययनरत् बालक एवं बालिकाओं की सामाजिक कार्यों के प्रति रुचि संबंधी रुचियों में सार्थक अंतर नहीं है।

अध्ययन की परिसीमाएं –

प्रस्तुत शोध भोपाल के कोलार क्षेत्र में निवास करने वाले कक्षा 10वीं में अध्ययनरत बालक–बालिकाओं तक सीमित है। न्यादर्श के रूप में मात्र 20 छात्रों (10 बालक, 10 बालिकाओं) का चयन किया गया है।

शोध विधि –

1. न्यादर्श – शोधकर्ता ने दसवीं कक्षा में अध्ययनरत् 20 विद्यार्थियों (10 बालक व 10 बालिकाओं) का चयन यादृच्छिक प्रतिचयन विधि से किया है।

2. प्रयुक्त उपकरण – प्रस्तुत कार्य हेतु श्रीमती अलका डेविड की (Adolescent Interest Test) का प्रयोग किया गया है। इसमें प्रश्नों के द्वारा छात्र की विज्ञान, खेल, साहित्य, कला एवं सामाजिक कार्य आदि रुचियों को मूल्यांकन किया गया। साथ ही साक्षात्कार द्वारा यह जानने का प्रयास किया गया कि भविष्य में किस व्यवसाय को चुनना चाहते हैं। प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण करने के लिए सांख्यिकीय के मध्यमान, प्रमाप विचलन, 'टी' परीक्षण का प्रयोग किया गया।

परिकल्पना 1. कक्षा 10वीं में अध्ययनरत् बालक एवं बालिकाओं की विज्ञान संबंधी रुचियों में सार्थक अंतर नहीं है।

तालिका क्रमांक 01

Group	N	Mean	SD	t – Ratio
बालक	10	8.20	3.39	2.24
बालिकाएं	10	4.70	1.90	

स्वतंत्रता के अंश – 18 0.05 स्तर के लिये निधार्रित न्यूनतम मान – 2.10

उपरोक्त सारणी में प्रदर्शित परिणामों से स्पष्ट है कि कक्षा 10वीं में अध्ययनरत् बालक एवं बालिकाओं के मध्य विज्ञान संबंधी रुचि में सांख्यिकीय दृष्टिकोण से सार्थक अंतर है, क्योंकि प्राप्त क्रांतिक अनुपात का मान 2.24 स्वतंत्रता के अंश 18 पर सार्थकता के 0.05 स्तर के लिये निर्धारित न्यूनतम मान 2.10 से अधिक है।

अतः इन परिणामों के आधार पर कहा जा सकता है कि कक्षा 10वीं में अध्ययनरत् बालक एवं बालिकाओं के मध्य विज्ञान संबंधी रुचि में सार्थक अंतर पाया गया तथा कक्षा 10वीं में अध्ययनरत् बालकों की विज्ञान में रुचि बालिकाओं से ज्यादा है।

परिकल्पना 2. कक्षा 10वीं में अध्ययनरत् बालक एवं बालिकाओं की फाईन आर्ट (कला) संबंधी रुचियों में सार्थक अंतर नहीं है।

तालिका क्रमांक 02

Group	N	Mean	SD	t – Ratio
बालक	10	7.20	4.49	0.66
बालिकाएं	10	8.40	3.63	

स्वतंत्रता के अंश – 18 0.05 स्तर के लिये निधार्रित न्यूनतम मान – 2.10

उपरोक्त सारणी में प्रदर्शित परिणामों से स्पष्ट है कि कक्षा 10वीं में अध्ययनरत् बालक एवं बालिकाओं के मध्य फाईन आर्ट (कला) संबंधी रुचि में सांख्यिकीय दृष्टिकोण से सार्थक अंतर नहीं है, क्योंकि प्राप्त क्रांतिक अनुपात का मान 0.66 स्वतंत्रता के अंश 18 पर सार्थकता के 0.05 स्तर के लिये निर्धारित न्यूनतम मान 2.10 से कम है।

अतः इन परिणामों के आधार पर कहा जा सकता है कि कक्षा 10वीं में अध्ययनरत् बालक एवं बालिकाओं के मध्य फाईन आर्ट (कला) संबंधी रुचि में सार्थक अंतर नहीं पाया गया।

परिकल्पना 3. कक्षा 10वीं में अध्ययनरत् बालक एवं बालिकाओं की साहित्य संबंधी रुचियों में सार्थक अंतर नहीं है।

तालिका क्रमांक 03

Group	N	Mean	SD	t – Ratio
बालक	10	3.40	2.86	2.33
बालिकाएं	10	9.00	7.07	

स्वतंत्रता के अंश – 18 0.05 स्तर के लिये निधार्रित न्यूनतम मान – 2.10

उपरोक्त सारणी में प्रदर्शित परिणामों से स्पष्ट है कि कक्षा 10वीं में अध्ययनरत् बालक एवं बालिकाओं के मध्य साहित्य संबंधी रुचि में सांख्यिकीय दृष्टिकोण से सार्थक अंतर है, क्योंकि प्राप्त क्रांतिक अनुपात का मान 2.33 स्वतंत्रता के अंश 18 पर सार्थकता के 0.05 स्तर के लिये निर्धारित न्यूनतम मान 2.10 से अधिक है।

अतः इन परिणामों के आधार पर कहा जा सकता है कि कक्षा 10वीं में अध्ययनरत् बालक एवं बालिकाओं के मध्य साहित्य संबंधी रुचि में सार्थक अंतर पाया गया तथा कक्षा 10वीं में अध्ययनरत् बालिकाओं की साहित्य में रुचि बालकों से ज्यादा है।

परिकल्पना 4. कक्षा 10वीं में अध्ययनरत् बालक एवं बालिकाओं की खेल संबंधी रुचियों में सार्थक अंतर नहीं है।

तालिका क्रमांक 04

Group	N	Mean	SD	t – Ratio
बालक	10	14.80	6.45	4.12
बालिकाएं	10	5.80	2.50	

स्वतंत्रता के अंश – 18 0.01 स्तर के लिये निधार्रित न्यूनतम मान – 2.88

उपरोक्त सारणी में प्रदर्शित परिणामों से स्पष्ट है कि कक्षा 10वीं में अध्ययनरत् बालक एवं बालिकाओं के मध्य खेल संबंधी रुचि में सांख्यिकीय दृष्टिकोण से सार्थक अंतर है, क्योंकि प्राप्त क्रांतिक अनुपात का मान 4.12 स्वतंत्रता के अंश 18 पर सार्थकता के 0.01 स्तर के लिये निर्धारित न्यूनतम मान 2.88 से अधिक है।

अतः इन परिणामों के आधार पर कहा जा सकता है कि कक्षा 10वीं में अध्ययनरत् बालक एवं बालिकाओं के मध्य खेल संबंधी रुचि में सार्थक अंतर पाया गया तथा कक्षा 10वीं में अध्ययनरत् बालकों की खेलों में रुचि बालिकाओं से ज्यादा है।

परिकल्पना 5. कक्षा 10वीं में अध्ययनरत् बालक एवं बालिकाओं की सामाजिक कार्यों के प्रति रुचि संबंधी रुचियों में सार्थक अंतर नहीं है।

तालिका क्रमांक 05

Group	N	Mean	SD	t – Ratio
बालक	10	5.40	3.00	2.39
बालिकाएं	10	8.80	3.35	

स्वतंत्रता के अंश – 18 0.05 स्तर के लिये निधार्रित न्यूनतम मान – 2.10

उपरोक्त सारणी में प्रदर्शित परिणामों से स्पष्ट है कि कक्षा 10वीं में अध्ययनरत् बालक एवं बालिकाओं के मध्य सामाजिक कार्यों के प्रति रुचि संबंधी रुचियों में सांख्यिकीय दृष्टिकोण से सार्थक अंतर है, क्योंकि प्राप्त क्रांतिक अनुपात का मान 2.39 स्वतंत्रता के अंश 18 पर सार्थकता के 0.05 स्तर के लिये निर्धारित न्यूनतम मान 2.10 से अधिक है।

अतः इन परिणामों के आधार पर कहा जा सकता है कि कक्षा 10वीं में अध्ययनरत् बालक एवं बालिकाओं के मध्य सामाजिक कार्यों के प्रति रुचि संबंधी रुचियों में सार्थक अंतर पाया गया तथा कक्षा 10वीं में अध्ययनरत् बालिकाओं की सामाजिक कार्यों के प्रति रुचि संबंधी रुचियों में रुचि बालकों से ज्यादा है।

निष्कर्ष – किशोर अभिरुचि परीक्षण से प्राप्त आंकड़ों के सांख्यिकीय विश्लेषणों से ज्ञात होता है कि बालकों में विज्ञान व खेलों के प्रति रुचि अधिक है वहीं लड़कियों में साहित्य, सामाजिक कार्य के प्रति रुचि अधिक है। बालक एवं बालिकाओं की फाईन आर्ट (कला) संबंधी रुचियाँ एक समान पायी गयीं। परीक्षण के साथ साक्षात्कार से यह जानने का प्रयास किया गया कि वे भविष्य में किस व्यवसाय को चनना चाहते हैं। प्राप्त उत्तरों व परीक्षण विश्लेषण से यह ज्ञात हुआ कि मात्र 20ः बालिकाएं एवं 10ः बालक अपनी रुचि के अनुसार व्यवसाय चुनना चाहते हैं। वह अन्य आधुनिकता की दौड़ में शामिल हो चकाचौंध वाले व्यवसाय को अपनाना चाहते हैं।

सुझाव – आधुनिकीकरण के इस दौर में लड़के व लड़कियों को बराबर समझा जा रहा है अतः अभिभावक प्रेरित करते हैं उनके अपने मनपसंद व्यवसाय को चुनने के लिए दिन–रात एक ही बात कहने पर किशोर भी अपनी मानसिकता अभिभावकों के अनुसार ही

बना लेते हैं। किन्तु कई बार उनकी वास्तविक रुचि अलग ही होती है। अतः अभिभावकों को चाहिए कि वे किशोर की रुचि का अध्ययन करके उसकी रुचि अनुसार व्यवसाय चुनने दें।

संदर्भः

1. **बाकलीवाल, ममता (2011),** माध्यमिक स्तर पर छात्राओं की व्यवसायिक आकांक्षा व उनके माता–पिताकी तत्संबंधी आकांक्षा तथा व्यवसायिक आकांक्षा पुनर्निधारण का अध्ययन, भारतीय आधुनिक शिक्षा वर्ष (31), अंक (4) पृ. 69–80 ।
2. **श्रीवास्तव शिवानी (2014),** छात्र एवं छात्राओं की व्यवसायिक व्यावसायिक रुचियों का तुलनात्मक अध्ययन, शिक्षामित्र 7 (1), पृ. 24–25 ।
3. NCERT, Basic statistics in Guidance and counseling – I Module 7.
4. **पाण्डेय, रामशकलः** शिक्षा मनोविज्ञान, सूर्या पब्लिकेशन, मेरठ ।
5. **सिंह, अरुण कुमारः** उच्चतर सामान्य मनोविज्ञान, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।
6. **शर्मा, आर. ए.:** शिक्षा अनुसंधान, आर. लाल बुक डिपो, मेरठ ।